एक नजर में

समाजसेवी युवा राजेश सक्सेना नहीं रहे

राजगढ़ 19 नवम्बर, का. नगर के वरिष्ठ एडव्होकेट रहे स्व. उदितनारायण सक्सेना के सुपुत्र राजेश सक्सेना बब्बल का बुधवार को आकस्मिक निधन हो गया है. समाजसेवी युवा के निधन से नगर में गहरा शोक छा गया. श्री सक्सेना पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे. जैसे ही उनके निधन की जानकारी मिलने-जुलने वालों, ईष्ट मित्रों को लगी गहरा शोक छा गया. समाजसेवा के कार्यो में हमेशा अग्रणी रहने के साथ ही उनके द्वारा 50 से ज्यादा बार रक्तदान किया गया. उनकी अंतिम यात्रा बुधवार शाम को उनके निवास स्थल बांसवाडा से स्थानीय मुक्तिधाम पहुंची. बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों, गणमान्य नागरिकों, समाज बंधुओं ने शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की.

राष्ट्रव्यापी गौ सम्मान परिचर्चा पर संवाद

पड़ाना 18 नवंबर, सं. गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने और गौ हत्या को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान का उद्देश्य गौ माता की रक्षा के लिए केंद्रीय कानून बनाना और भारत में गो हत्या को पूरी तरह से समाप्त करना है. गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए एक आंदोलन शुरू किया है. इस आंदोलन के तहत देशभर में गौ कथा का आयोजन किया जा रहा है और गौ माता को राष्ट्र माता का ध्वज फहराया जा रहा. इस अभियान के तहत समीप ग्राम मऊ में रामलीला मंडल मंच परिसर पर राष्ट्री व्यापी गौ सम्मान आह्वान अभियान पर एक परिचर्चा संवाद कार्यक्रम रखा गया. जिसमें गोसेवक सहित अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे.

सम्मान निधि की किश्त का प्रसारण

राजगढ़, 19 नवम्बर, का. कृषि विज्ञान केन्द्र राजगढ में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें 9 करोड़ किसानों को 18 हजार करोड़ रुपए की राशि सीधे किसानो के बैंक खाते में हस्तातरित की गई. जिसमें राजगढ़ जिले के 2,48,675 किसानों के खाते में 49 करोड 73 लाख 50 हजार रुपए की राशि जिले के किसानो के खाते में प्राप्त हुई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रघुनन्दन शर्मा सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें. कार्यक्रम में 250 से अधिक कृषको को प्राकृतिक खेती, नरवाई प्रबंधन, धरती माता बचाओ कार्यक्रम, गेहूँ की उन्नत प्रजातियां, स्प्रिंकलर, ड्रिप, मिनी ड्रिप से सिंचाई प्रबंधन की जानकारी वैज्ञानिक डॉ. सुरेन्द्र कुमार कौशिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रूपेन्द्र खाण्डवे प्रधान वैज्ञानिक डॉ. लाल सिंह, कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी श्री सचिन जैन उप संचालक कृषि, श्री मीणा उप संचालक उद्यानिकी, डॉ. महिपाल उप संचालक पशुपालन, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विशाल भालसे द्वारा दी गई. कार्यक्रम का संचालन सुश्री इतिश्री राठौर द्वारा किया गया.

अब वैकल्पिक मार्गों पर भी जाम के हालात

राजगढ़ रोड, सुठालिया बायपास बने जाम के मुख्य केन्द्र, वाहन चालकों को करना पड़ता है दिक्कतों का सामना

हर दिन जाम की विभीषिका से जूझ रहे राहगीर

सुदामा नगर में कई स्कूलों की एक साथ छुट्टी होने से लग जाता है जाम

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 19 नवम्बर, का. पेयजल संकट के साथ ही नगर की पहचान अब हर दिन लगने वाले जाम के रुप में होने लगी है. जाम के कारण राहगीरों, वाहन चालको को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. मुख्य मार्गो पर जाम से बचने वाहन चालक, राहगीरों को वैकल्पिक मार्गो का सहारा लेना पड़ रहा है किंतु वैकल्पिक मार्गो पर भी जाम के हालात होने से परेशानी और बढ़ रही है.

नगर में राजगढ़ रोड,सुठालिया बायपास जाम के मुख्य केन्द्र बने हुए है, यहां पर आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होने से वाहन चालको, पैदल राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. मंगलवार को दोपहर 1.30 से 2.15 बजे तक जाम लगता रहा. राजगढ़ रोड सब्जी मंडी के यहां से कैनरा बैंक के आगे तक जाम की स्थिति बनी रही. बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन जाम में फंसे रहे. कुछ स्कूल वाहन भी जाम में फंसे रहे.

स्कूल के रास्ते पर भारी जाम लगा

विवेक टॉकीज के यहां से अपना नगर की और जाने वाले मार्ग पर नगर के तीन प्रतिष्ठित स्कूल है. जहां पर बड़ी संख्या में बच्चे पढने जाते है. मंगलवार को दोपहर में यहां पर भारी जाम लगने से बच्चों, अभिभावकों एवं राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. विशेष बात यह है कि यहां पर मौजूद स्कूलों की छुट्टी एक साथ होने के कारण मार्ग पर काफी व्यस्त यातायात होता है. अभिभावको के साथ स्कूलों से घर जाने वाले बच्चों के साथ ही मार्ग पर से आने जाने वाले राहगीरों के बड़ी संख्या में आने-जाने के कारण मार्ग पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है. जाम इतना अधिक लगा जाता है कि स्कूल गेट के बाहर भी निकलना मुशिकल होता है. बच्चे, अभिभावक स्कूल गेट के बाहर भी बमुश्किल निकल पाते है. इस मार्ग में मौजूद स्कूलों की छुट्टी का लगभग समय पास-पास होने से यहां भारी जाम की स्थिति निर्मित होना बताया जाता है.

सब्जी मंडी पहुंचना भी हुआ मुश्किल

स्थानीय राजगढ़ रोड पर सब्जी मंडी के यहां से केनरा बैंक तक सबसे अधिक जाम की स्थिति बनती है. यहां पर दिन में ऐसे समय जब काफी व्यस्त यातायात रहता है उस दौरान वाहनों से सामान लोड या फिर अनलोड किया जाता है. रोड पर बेतरतीब तरीके से वाहनों को खड़े हुए देखा जा सकता है. यहां हर समय जाम जैसे हालातों के कारण लोगों को सब्जी मंडी तक जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है.

रोड पर खड़े रहते वाहन

देखने में आता है कि चार पहिया वाहनों, हाथ ठेलो को रोड पर ही अव्यवस्थित तरीके से खड़े करने से जाम की स्थिति बन जाती है. कई दुकानों के काफी आगे तक सामान रखा रहता है, जिसके कारण वाहन एवं पैदल राहगीरों को आवागमन में काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है और जाम लग जाता है. यदि वाहनों को व्यवस्थित तौर पर साइड में खड़ा कर दिया जाये और दुकानों के आगे एक निश्चित सीमा में सामान रखा जाये तो आवाजाही में काफी सुविधा होगी और जाम से भी राहत मिल सकेगी.

एसआईआर : लापरवाही पर दो बीएलओ निलंबित किए

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 19 नवम्बर, का. कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा एसआईआर अन्तर्गत ईएफ डिजिटाइजेशन के सम्बन्ध में गुगल मीट के माध्यम से समीक्षा बैठक मंगलवार को आयोजित की गई. बैठक में जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकरी, समस्त समस्त सीईओ जनपद पंचायत समस्त मुख्य नगरपालिका समस्त तथा सभी मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे. साथ ही ईएफ में जिन बीएलओ द्वारा कोई फार्म डिजिटाइजेशन नही किया है उन सभी बीएलओ को भी समीक्षा में सम्मिलित किया गया. वर्तमान स्थिति में जिले के कुल 1178113 मतदाताओं में मंगलवार 18 नवम्बर, 2025 तक कुल 188289 मतदाताओं के ईएफ डिजिटाइजेशन हुए है, जो जिले का कुल 15.98 प्रतिशत है. कलेक्टर डॉ. मिश्रा द्वारा जिले की समस्त विधानसभाओं के मतदान केन्द्र जिनमें 10 प्रतिशत से कम ईएफ डिजिटाइजेशन हुए है उन सभी मतदान केन्द्रों के बीएलओ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने एवं इनके साथ पृथक से सहयोगी लगाये जाने के निर्देश दिये गये. नरसिंहगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्रमांक 101 ग्राम पंचायत कोडियागोड के रोजगार सहायक अमृतलाल रूहेला एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 122 ग्राम पंचायत उदपुरिया के रोजगार सहायक राजेश यादव के द्वारा एसआईआर के कार्य में लापरवाही बरतने के कारण बर्खास्त करने हेतु नोटिस जारी करने के निर्देश सीईओ जनपद को दिये गये. कलेक्टर डॉ. मिश्रा द्वारा बैठक में बताया गया कि जिले के समस्त बी.एल.ओ को डर का माहोल नही दिया जाए एवं गहन पुनरीक्षण के कार्य को उत्साह पूर्वक कराये जाने हेतु सभी को प्रेरित किया जाए. बैठक में सम्मिलित सभी अधिकारी/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्यक मतदान केन्द्र क्षेत्र में मतदाताओं को फार्म भरने, फार्म एकत्रित कराने एवं बी.एल.ओ को फार्म डिजिटाइजेशन कराने में हर संभव सहयोग किया जाए.

9 दिनों तक अवकाश पर रहेंगे कलेक्टर, श्यामवीर होंगे प्रभारी

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 19 नवम्बर, का. राजगढ़ जिला कलेक्टर डॉक्टर गिरीश कुमार मिश्रा 9 दिन के अवकाश पर रहेंगे. इस दौरान भोपाल विकास प्राधिकरण सीईओ श्यामवीर सिंह के पास राजगढ़ कलेक्टर का प्रभार रहेगा.

जिला पंचायत अध्यक्ष ने सीएम हेल्पलाइन पर की शिकायत

कहा, बार-बार अनदेखी द्वेषता का सूचक

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 18 नवंबर, का. जिला पंचायत अध्यक्ष चंदर सिंह सौंधिया ने सीएम हैल्पलाईन पर शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत आरईएस विभाग के अधिकारियों के विरूद्ध कराई है. मामला बीते दिनों का है जब जनपद पंचायत के भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम के निमंत्रण कार्ड में उनका नाम नहीं छापा गया.

मामले में जिला पंचायत अध्यक्ष ने 17 नवंबर को की गई शिकायत में बताया कि जनपद कार्यालय के भवन के भूमिपूजन के लिए आरईएस विभाग द्वारा जो कार्ड छापे गए उसके में जिपं अध्यक्ष का नाम नहीं लिखा गया है. इससे जिपं अध्यक्ष के प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया गया है. मामले में जांच उपरांत कार्यवाही की मांग जिपं अध्यक्ष की ओर से की गई है.

पहली बार नहीं, हर बार प्रोटोकॉल का उल्लंघन

जिपं अध्यक्ष ने बताया कि वे जिले के ग्रामीण मतदाताओं के बहुमत का प्रतिनिधित्व करते है. जिपं अध्यक्ष का पद प्रोटोकॉल के अंतर्गत आता है. इसके पूर्व सीएम ब्यावरा आए तब भी उन्हें मंच पर नहीं जाने दिया गया, सीएम पीपलहेला आए थे तब मंच पर स्थान नहीं दिया गया, सुठालिया के आयोजन में मंच से उन्हें बोलने नहीं दिया गया. राजगढ़ के आयोजन में सीएम के समक्ष उन्हें अपनी बात नहीं रखने दी गई. वे अंचल की जनसमस्याओं को उठाकर क्या अपराध कर रहे है. जिपं अध्यक्ष के पद को राज्यमंत्री का दर्जा रहा है. प्रदेश पहला राज्य है जहां पंचायती राज व्यवस्था लागू हुई. जिपं अध्यक्ष का पद यानी जिले के ग्रामीण जनता का जनमत और उनकी आवाज है. ऐसे सरकार और प्रशासन जानबूझकर उनके साथ इस तरह का दुर्व्यवहार कर रहे है. पिछले दिनों जिला कांग्रेस मामले को लेकर विरोध भी जता चुकी है.

एसआईआर आयोग ने नियमों को किया स्पष्ट

राजगढ़ 18 नवम्बर, का. भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2025 की प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और मतदाता हितैषी बनाने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं. आयोग ने यह सुनिश्चित किया है कि के दौरान किसी भी मतदाता को अनावश्यक कागज़ी प्रक्रिया या दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की आवश्यकता न पड़े. इसी उद्देश्य से आयोग ने निम्नलिखित नियम अनिवार्य रूप से लागू किए हैं. जिनमें में किसी भी मतदाता से कोई भी दस्तावेज (जैसे जन्म प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण, पहचान पत्र आदि) नहीं लिया जाएगा.

पारे में उछाल पर ठंड का प्रकोप बरकरार

बुधवार को न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोत्तरी, शाम को फिर से ठण्डी हवाओं ने कंपकंपाया

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 19 नवम्बर, का. बुधवार को न्यूनतम तापमान में एक डिग्री का उछाल अवश्य हुआ किंतु ठंड का प्रकोप बरकरार रहा. सर्द हवाओं का प्रकोप जारी है.

बुधवार को सुबह एवं शाम होते ही ठंड ने अपना असर दिखाना शुरु कर दिया. ठंडी हवाओं से परेशानी और बढ़ गई है. बुधवार को न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री पर रहा.

विदित है कि 17 नवम्बर को राजगढ़ जिले का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री पर जा पहुंचा था. 18 नवम्बर को भी न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री रहा. इसके बाद बुधवार को तापमान में उछाल आया. उल्लेखनीय है कि बीते दो दिन तक प्रदेश में सबसे कम तापमान वाले जिलो में राजगढ़ जिला पहले स्थान पर रहा. मौसम विभाग का कहना है कि एक-दो दिन न्यूनतम तापमान में मामूली उछाल बना रह सकता है.

जनजागरण : नशामुक्त जीवन के प्रति किया प्रेरित

राजगढ़ 18 नवम्बर, का. भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में उन्नत नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. उक्त कार्यक्रम मंगलवार को प्रातः 11.30 बजे वेबिनार के माध्यम से आयोजित किया गया. शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, राजगढ़ में भी नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विद्यार्थियों, स्टाफ एवं समस्त महाविद्यालय परिवार को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराने तथा नशामुक्त जीवन के प्रति प्रेरित करने हेतु विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं छात्र-छात्राओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहन देना, सभी प्रतिभागियों को नशीले पदार्थों से दूर रहने का संकल्प दिलाना, महाविद्यालय में विद्यार्थियों को ऑनलाइन दिलाया गया तथा नशा उन्मूलन के संबंध में जागरूकता व्याख्यान भी आयोजित किए गए. कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया.

झुंड के बीच नजर आ रहे लम्पी रोग पीड़ित गौवंश

बिमारी को नहीं लिया जा रहा गंभीरता से

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 19 नवम्बर, का. लम्पी रोग से ग्रसित गौवंश अन्य गौवंश के बीच झुंड में देखे जा सकते है जिसके कारण अन्य गौवंश को भी यह बीमारी चपेट में ले रही है.

गौरतलब है कि एक बार फिर जिले में अनेक जगह कई गौवंश में लम्पी रोग का प्रकोप देखा जा सकता है. पशु चिकित्सा विभाग का कहना है कि गौवंश में लम्पी रोग न हो इसके मद्देनजर पूर्व में टीकाकरण किया जा चुका है बावजूद इसके नगर सहित जिले के कई स्थानों पर लम्पी पीड़ित गौवंश सामने आ रहे है.

आश्चर्यजनक बात यह है कि संक्रमण वाले इस रोग से ग्रसित गौवंश को अन्य गौवंश से अलग अन्यत्र स्थान पर रखा जाता है किंतु ऐसा नहीं देखने को मिला है. रोग से ग्रसित गौवंश अन्य गौवंश के बीच ही रह रहे है.

झुंड के बीच रह रहे पीड़ित गौवंश- नगर में भी लम्पी पीड़ित गौवंश देखे जा सकते है. स्थानीय राजगढ़ रोड स्थित पंचशील कॉलोनी में लम्पी से पीड़ित गौवंश अन्य गौवंश के बीच बैठे हुए नजर आते है. एक माह से अधिक समय पूर्व यहां लम्पी रोग से ग्रसित गौवंश सामने आने पर इसकी जानकारी विभाग को भी दी गई बावजूद इसके अभी भी रोग से पीड़ित गौवंश अन्य गौवंश के बीच झुंड में देखे जा सकते है. जानकारों के अनुसार लम्पी वायरस पर काबू पाने के लिए टीकाकरण, प्रभावित मवेशियों को अलग रखना आदि सुरक्षात्मक उपाय जरुरी है.

एक दूसरे से फैलता रोग

जानकारों के अनुसार मवेशी में होने वाला लम्पी रोग संक्रमण वाला है जो कि एक मवेशी से दूसरे मवेशी में फैलता है. इसमें संक्रमित मवेशी को स्वस्थ मवेशियों से अलग रखा जाये ताकि वायरस को फैलने से रोका जा सके. किंतु वर्तमान में जो भी लम्पी प्रभावित मवेशी है वह अन्य मवेशियों के साथ झुंड में ही रह रहे है.

सुरक्षात्मक बाते- लम्पी मवेशियों का ही रोग है जो कि एक मवेशी से दूसरे मवेशी में पहुंचता है. हालांकि लम्पी वायरस इंसानों में नहीं फैलता है. सावधानी बरतते हुए दूध का उपयोग करने से पहले उसे अच्छी तरह उबालना चाहिए. पशुपालक बाहर से खरीदे जा रहे नए पशुओं के स्वास्थ्य की जांच करवाए.

चौपाल ▶ **बाल विवाह मुक्त राजगढ़ अभियान, पंचायत स्तरीय जागरुकता चौपालों का हुआ आयोजन**

बाल विवाह जैसी कुरीतियां छोड़कर उजाले की ओर बढ़ेगा समाज

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 19 नवम्बर, का. बाल विवाह मुक्त राजगढ़ अभियान अंतर्गत खिलचीपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत सेदरा जागीर, खाजला और खाजली में पंचायत स्तरीय जागरूकता चौपालों का आयोजन मंगलवार को किया गया. इन कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को बाल विवाह के सामाजिक एवं कानूनी दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में जनभागीदारी को बढ़ावा देना था. कार्यक्रमों में सब-रजिस्ट्रार जीरापुर सुश्री इंदुमति इक्का द्वारा बालिकाओं को शिक्षा का महत्त्व समझाया बाल विवाह के लिए आप सब को एक जुट हो कर लड़ाई करना है. वन स्टॉप सेंटर प्रशासक एवं अभियान की नोडल अधिकारी श्रीमति रश्मि चौहान द्वारा कार्यक्रम के दौरान समुदाय को बाल विवाह रोकथाम संबंधी कानूनों की जानकारी दी गई. बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का हनन है, जो उनके शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास पर गंभीर प्रभाव डालता है. विशेषकर लड़कियों के लिए यह हिंसा, शोषण और यौन शोषण के जोखिम को बढ़ा देता है. लक्ष्मण भागमन द्वारा बताया गया कि यदि किसी बच्चे का विवाह उसकी 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने से पहले हुआ है, तो वह आयु पूर्ण होने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के भीतर अपने विवाह को रद्द करवाने के लिए आवेदन कर सकता/सकती है. सेक्टर पर्यवेक्षक संतोष चौहान द्वारा शपथ दिलाई गई.

पाटन गांव में चौपाल कुरीतियों पर खुली चर्चा

राजगढ़ 18 नवंबर, का. अहिंसा वेलफेयर सोसायटी द्वारा मंगलवार को पाटन गांव में आयोजित चौपाल में सामाजिक कुरीतियों- विशेषकर बाल सगाई, बाल विवाह, झगड़ा-नातरा और बाल शोषण- पर व्यापक संवाद हुआ. ग्रामीण महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और किशोरी बालिकाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि गांव बदलाव की राह पर आगे बढ़ना चाहता है

चौपाल की शुरुआत इस विचार के साथ हुई- कुरीतियां समाज के लिए नासूर हैं; इन्हें मन से मिटाना ही सुरक्षित और प्रगतिशील समाज की नींव है. अहिंसा टीम ने बताया कि वर्षों से चली आ रही कुप्रथाएँ बच्चों का बचपन, उनकी शिक्षा और उनका भविष्य छीन लेती हैं. बाल विवाह और बाल सगाई जहां कानूनी अपराध हैं, वहीं झगड़ा-नातरा जैसी परंपराएं कई बार सामाजिक तनाव, हिंसा और परिवारों के टूटने का कारण भी बनती हैं. चौपाल में जब किशोरी बालिकाओं, महिलाओं से संवाद हुआ तो उनकी बातों ने सबको गंभीर कर दिया. बालिकाओं ने एक स्वर में कहा, हम नहीं चाहते- असमानता, खराब स्वास्थ्य, असुरक्षा, उपेक्षा, शिक्षा से दूरी, मानसिक दबाव, कुपोषण, अस्वच्छ जल, प्रदूषण, हिंसा, काम का बोझ, गुमनाम बचपन और सबसे बढ़कर बाल विवाह. उन्होंने आगे कहा- हम चाहते- समानता, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ, सुरक्षा, पहचान, अच्छी एवं सुलभ शिक्षा, प्यारङ्कदुलार, प्रतिभागिता, स्वच्छ जल, सही उम्र में विवाह, अवसर, पोषण, अच्छा पर्यावरण, मान-सम्मान और संपूर्ण विकास. अहिंसा टीम ने कानून, अधिकार और त्वरित प्रतिक्रिया, अहिंसा वेलफेयर सोसायटी की टीम ने ग्रामीणों को बाल संरक्षण कानूनों, बाल अधिकारों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी. अरुण सातालकर ने कहा- किसी भी घर में बाल विवाह की तैयारी दिखे तो प्रशासन और अहिंसा टीम को जानकारी दें. जरूरत पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी. इसके साथ ही सुनीता सोलंकी ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं, लोक अधिकार केंद्र की सेवाओं और सहायता तंत्र की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की.